लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

लोक सभा अध्यक्ष ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर देशवा सयों को बधाई दी

नई दिल्ली 22 अगस्त 2020: लोक सभा अध्यक्ष , श्री ओम बिरला ने गणेश चतुर्थी के पर्व पर देशवा सयों को शुभकामनाएं दी है। अपने संदेश में श्री बिरला ने कहा:

"गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से बधाई एवं मंगलकामनाएं। प्रथम पूजे जाने वाले गणनायक गणेश , सुख-समृद् ध, रिद् ध- सद् ध तथा आनंद , ज्ञान और शुभता के अ धष्ठाता देव हैं , सर्वा धक लोक प्रय आदिदेव हैं। हमारे शास्त्रों में गणपति को वघ्न वनाशक माना गया है।

आज संपूर्ण वश्व कोरोना महामारी के संकट से गुजर रहा है जिसने करोड़ों लोगों को गंभीर रूप से प्रभा वत कया है। इस महासंकट से संपूर्ण वश्व के कल्याण के लए आज मैं आप सबके साथ मलकर भगवान श्री गणपति की आराधना करता हूं। संकट की इस घड़ी में हमारा प्रयास होना चाहिए क हम कोरोना के कारण परेशानी से गुजर रहे वर्गों की सहायता एवं समर्थन को आगे आए। सामूहिक प्रयासों के परिणामस्वरूप ही एक समतामूलक और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण हो सकता है।

गणेश चतुर्थी का पर्व सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह उत्सव समाज के सभी वर्गों को एक दूसरे से जोड़ते हुए सामाजिक समरसता और सौहार्द को प्रोत्साहित करने का भी अवसर प्रदान करता है। लोकमान्य तिलक ने इस उत्सव के माध्यम से संपूर्ण भारत को राष्ट्र भाव से जोड़ा और उसे राष्ट्र एकता के सूत्र में परो दिया था। आज भी आवश्यकता है क हम ऐसे उत्सव को सामूहिक आंदोलन में बदलें और इसके माध्यम से समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का प्रयास करें।

मत्रो, आज का दिन हमें पर्यावरण , प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के संकल्प को भी प्रेरित करता है। आज जब घर-घर में गजानन की स्थापना होगी, तब मेरा आग्रह है क हम प्लास्टर ऑफ पेरिस या प्रदूषण फैलानी वाली अन्य कसी वस्तु से नि र्मत गणेश प्रतिमा का उपयोग नही करें।

अनंत चतुर्दशी के दिन जब हानिकारक वस्तुओं से नि र्मत प्रतिमाओं का वसर्जन होता है तो वह जल स्रोतों तथा उनके भीतर जीवों और वनस्पतियों को वपरीत रूप से प्रभा वत करता है। अतः मेरा आग्रह है क प्रकृति के साथ सद्भावना रखते हुए आप मट्टी से नि र्मत गणेश प्रतिमाओं की स्थापना करें।

सा थयो, भगवान गणेश को बुद् धमता एवं नेतृत्व क्षमता के लए जाना जाता है। आज मेरी गजानन से प्रार्थना है क वे देश के युवाओं , भावी पीढ़ियों को बुद् ध एवं नेतृत्व क्षमता के गुणों से फ लत करें ता क हम नए भारत के निर्माण के प्रयासों को गति देते हुए भारत को वश्व लोक-नेतृत्वकर्ता के रूप में स्था पत कर सकें ।

श्री गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर मैं पुनः आप सबको शुभकानाएं देता हूं , आपसे आग्रह करता हूं क हम सब यह उत्सव सामाजिक ज़िम्मेदारी और मर्यादाओं का पालन करते हुए मनाएँ । आप स्वयं भी सुर क्षत रहें, अपने आस पास के लोगों को भी सुर क्षत रखें। मैं प्रार्थना करता हूं क गणेश चतुर्थी का पर्व आपके जीवन में सुख, समृद् ध, सफलता एवं मंगलकामनाएं लेकर आए। आप सभी को बहुत बहुत धन्यवाद । "

LOK SABHA SPEAKER GREETS PEOPLE ON GANESH CHATURTHI

New Delhi, 22 August 2020: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla has greeted the people on the occasion of Ganesh Chaturthi. In his message, Shri Birla said:

'Congratulations and best wishes to all on the auspicious occasion of Ganesh Chaturthi. ‘Gannaik’ Ganesha, the first to be worshiped among the dieties, is the provider of happiness, prosperity, knowledge and wisdom. He is the most popular Adidev and is venerated as ‘Vighna Vinashak’ in our scriptures.

Today when the entire world is grappling with the crisis of corona pandemic that has severely affected lakhs of people, I join with you in worshipping Lord Ganpati and seek His blessings for the welfare of humanity in this hour of crisis. At this time, it should be our collective endeavour that we come forward to offer support and assistance to all the sections of our society to tide over this crisis. Collective efforts alone can result in the creation of an equitable and prosperous nation.

The festival of Ganesh Chaturthi is celebrated as a community festival and provides the opportunity to promote social harmony and goodwill among all sections of the society. Through this festival, Lokmanya Tilak spread nationalistic sentiments throughout the entire country and connected everyone with the thread of national unity. Even today, there is a need to use such festivals as part of our collective efforts to unite all groups in our society.

This day also inspires us to take a pledge to protect our environment and natural resources. Today, when we place the idols of Ganpati in our homes, I request all to avoid usage of idols made of Plaster of Paris or any other environmentally degrading substances which pollute the environment. On the day of Anant Chaturdashi, when idols made of such harmful chemicals are immersed in water, it adversely affects our valuable water resources and aquatic life and vegetation. I, therefore, urge upon everyone to establish Ganesh idols made of clay in keeping with our responsibilities to mother nature.

Lord Ganesha is known for His intelligence and leadership qualities. Today, I pray to Gajanan that he bestow the qualities of wisdom and leadership abilities among the youth, the future generations of our country so that we can establish India as a world leader and give impetus to our efforts to build a new India.

On the festive occasion of Ganesh Chaturthi, I once again extend my wishes to all and urge everyone to celebrate this festival by obeying our societal responsibilities and duties. Let everyone be safe and secure themselves and also keep the people around safe too. I pray that this festival of Ganesh Chaturthi brings eternal happiness, prosperity and success in our lives. My good wishes to all.'